तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 कांग्रेस ने ग्रामीणों के लिए मांगी मूलभूत ...



11 मिशनरी स्कूल में धार्मिक पहनावे को लेकर...



3.77 करोड़ के बकायादारों पर बिजली कंपनी का शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बिजली बिल जमा नहीं करना अब बकायादार उपभोक्ताओं को भारी पड़ रहा है। विद्युत कंपनी ने ऐसे उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए डिस्कनेक्शन अभियान तेज कर दिया है। शहर के जगदलपुर और धरमपुरा जोन में 3 करोड़ 77 लाख 23 हजार 336 रुपए का बिजली बिल बकाया है। इस भारी-भरकम बकाया राशि की वसूली के लिए कंपनी अब सीधे बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई कर रही है। अब तक 98 बकायादार उपभोक्ताओं की बिजली सप्लाई बंद की जा चुकी है। इस अभियान में अब बकायादारों की बिजली काटने के लिए कर्मचारियों को मौके पर पहुंचने की भी जरूरत नहीं पड़ रही है।

पॉवर हाउस स्थित विद्युत कंपनी के कार्यालय में बैठकर ही कंप्यूटर के जरिए एक क्लिक में कनेक्शन बंद किया जा रहा है। यानी कार्यालय में बैठे कर्मचारी का एक बटन दबाना और बकायादार के घर की बत्ती गुल। तकनीक के इस इस्तेमाल ने डिस्कनेक्शन की कार्रवाई को बेहद आसान और तेज बना दिया है। हालांकि कनिष्ठ अभियंता डीसी मांझी, चिराग साहू एवं बीएस उरांव शहर के बकायादारों को भुगतान करने का आग्रह कर रहे हैं।

जगदलपुर-धरमपुरा जोन में 98 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे

बकायादारों की सूची पर लगातार कार्रवाई

विद्युत कंपनी द्वारा बकाया बिल वाले उपभोक्ताओं को चिन्हित कर उनके कनेक्शन बंद किए जा रहे हैं। जगदलपुर और धरमपुरा जोन में करोड़ों रुपए की बकाया राशि कंपनी के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। ऐसे में राजस्व वसूली के लिए डिस्कनेक्शन को प्रमुख हथियार बनाया गया है। कार्रवाई का दायरा बढ़ने से उन उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जो लंबे समय से बिजली बिल जमा नहीं कर रहे हैं।



समय पर बिल जमा करें

विद्युत कंपनी के जगदलपुर एवं धरमपुरा जोन के सहायक अभियंता विकास कुंजाम ने बताया कि कंपनी की इस सख्ती से साफ है कि अब बिजली का उपयोग करने के बाद बिल भुगतान में लापरवाही बरतने वालों को राहत मिलने वाली नहीं है। उपभोक्ताओं के लिए समय पर बिल जमा करना ही कनेक्शन कटने से बचने का रास्ता है।

सुकमा में योजनाओं की सुस्ती और लापरवाही पर बड़ा प्रशासनिक एक्शन

1 तकनीकी सहायक और 3 रोजगार सहायक बर्खास्त, 2 सचिव निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लगातार लापरवाही, कार्यों की स्वीकृति में ढिलाई और ग्रामीणों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने में उदासीनता बरतने वाले मैदानी कर्मचारियों पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। वीबी-जी राम जी योजना के तहत विकास कार्यों में अपेक्षित प्रगति न लाने और एनएमएमएस ऐप के जरिए श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज करने में गंभीर अनियमितताओं के चलते प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है।

इस कार्रवाई के तहत एक तकनीकी सहायक और तीन ग्राम रोजगार सहायकों की सेवा समाप्त कर दी गई है, जबकि दो पंचायत सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एक साथ छह कर्मचारियों पर हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई से जिले के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में हड़कंप मच गया है।



इन कर्मचारियों पर गिरी गाज

अनिल कवासी-तकनीकी सहायक जनपद पंचायत सुकमा, सोयम जोगेश्वर - जोगेश कुमार ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत मरईगुड़ा जनपद पंचायत कोंटा, सुरेन्द्र पदामी- ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत सिरसट्टी जनपद पंचायत सुकमा और देवाराम मुचाकी- ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत पुसगुन्ना, जनपद पंचायत छिंदगढ़ शामिल हैं। इसके अलावा निलंबित में पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत मिलमपल्ली एवं अतिरिक्त प्रभार पोटकपल्ली मड़कम लख्खा और पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत ढोंढरा एवं अतिरिक्त प्रभार डब्बाकोंटा के मौसम तम्मैया शामिल हैं।

12 नोटिस के बाद भी नहीं सुधरी कार्यप्रणाली

प्रशासनिक जांच में यह बात सामने आई कि तकनीकी सहायक अनिल कवासी योजना के कार्यों में लगातार उदासीनता बरत रहे थे और उच्च स्तर पर आयोजित होने वाली समीक्षा बैठकों से भी लगातार अनुपस्थित रह रहे थे। जिला एवं जनपद स्तर से उन्हें सुधार के लिए कुल 12 बार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद उन्होंने न तो संतोषजनक स्पष्टीकरण दिया और न ही अपनी कार्यप्रणाली में कोई सुधार किया, जिसके बाद उनकी सेवा समाप्त करने का कड़ा निर्णय लिया गया।

एनएमएमएस ऐप से उपस्थिति में मिल रही थी गड़बड़ी

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत न्यूनतम मानव दिवस का सृजन करने और कार्यस्थल पर पूरी पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निर्धारित एनएमएमएस ऐप के माध्यम से श्रमिकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने में गंभीर लापरवाही बरती जा रही थी। ग्रामीणों को समय पर रोजगार और योजनाओं का लाभ दिलाने में विफल रहने पर प्रशासन ने यह अनुशासनात्मक कदम उठाया है।

प्रशासन का कड़ा संदेश लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं

जिला पंचायत सीईओ की निगरानी में चल रही समीक्षा और इस बड़ी कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि मैदानी स्तर पर जवाबदेही तय करने के लिए प्रशासन किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करेगा। पंचायत सचिवों और अन्य मैदानी अमले पर हुई इस कार्रवाई से पूरे महकमे में कड़ा संदेश गया है कि योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है।

चोरी की बाइक जब्त, आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



घर के आंगन से बाईक की चोरी करने वाले आरोपी को बोधघाट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने चार माह पूर्व चोरी की घटना को अंजाम दिया था जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया। आरोपी की गिरफ्तार के लिए एसपी शलभ कुमार सिन्हा व एएसपी सुखनन्दन राठौर के मार्गदर्शन व सीएसपी सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था।

- चार माह पूर्व घर के आंगन से किया था बाइक पार

मामले की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए प्रार्थी देवी सिंह दीवान निवासी ग्राम आड़ावाल ने बताया कि 12 जून की रात हमेशा की तरह वह अपनी बाईक क्रमांक सीजी 17 केपी 4899 कीमत लगभग 30 हजार रूपए को घर के आंगन में खडा करके अपने घर में सोया था जिसे रात्री में किसी अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पतासाजी की जा रही थी। पतासाजी के दौरान मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी सुजल साव 19 साल निवासी परपा नाका गीदम रोड जगदलपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म स्वीकार किया जिसके बाद उसकी निशानदेही पर वाहन को बरामद किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया। कार्रवाई में निरीक्षक टामेश्वर चौहान के अलावा प्रशिक्ष एसआई अफसाना, एएसआई सतीश श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक सुनील मनहर, आरक्षक युवराज ठाकुर परमानन्द भोयर व संदीप राणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नवरात्रि विशेष



पंचमीः स्कंदमाता

देवी मां का पांचवा स्वरूप स्कंदमाता का है। स्कंदमाता को ही महेश्वरी, गौरी और पार्वती कहते हैं। भगवान स्कंदजी बालरुप में इन्हीं के गोद में विराजते हैं। सौभाग्य की देवी स्कंदमाता असुरों का दमन करने वाली और परम वैभवशाली है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांति से संपन्न हो जाता है। कथा है कि एक बार असुर तारकासुर ने घोर तपस्या करके ब्रह्माजी से अक्षत जीवन का वर ले लिया था। ब्रह्माजी ने वरदान तो दे दिया पर कहा कि आना-जाना तो इस सृष्टि का नियम है। इससे कोई नहीं बच सकता। इस पर धूर्त तारकासुर ने वर मांगा कि उनकी मौत हो तो सिर्फ शिवजी के पुत्र के हाथों। ब्रह्माजी ने भी तथास्तु कह दिया। अब तारकासुर निरंकुश हो गया। उसने सोचा न तो शिव कभी विवाह करेंगे और उसकी मौत होगी। तारकासुर ने ऐसा उत्पात मचाया कि सारा संसार त्राहि-त्राहि कर उठा। देवगण शिवजी की शरण में पहुंचे और सार व्यथा-कथा कह सुनाई। उनके काफी अनुनय-विनय सदाशिव ने साकार रुप धारण कर पार्वतीजी से विवाह रचाया। कालांतर में शिव-पार्वती कार्तिकेय या स्कंदकुमार ने तारकासुर को यमलोक पहुंचाया। स्कंदमाता के स्वरुप के साथ ही माता और पुत्र संबंध की नींव पड़ी। पांचवे नवरात्र को इन्हीं स्कंदमाता की पूजा होती है। शास्त्रों में पांचवे नवरात्रि को पुष्कल का महत्व बताया गया है। स्कंदमाता की चार भुजाएं है। इनका वर्ण शुभ्र है। स्कंदमाता की आराधना के समय साधक मन विशुद्ध चक्र में अवस्थित रहता है। स्कंदमाता की पूजा करने वाले भक्तों का मन सांसारिक मोहमाया की आरधना का मंत्र है-

नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी।।

खबर संक्षेप



मंत्री केदार ने भानपुरी मंडल के दुर्गा पंडालों में टेका मत्था

जगदलपुर। शारदीय नवरात्रि पर मंत्री केदार कश्यप ने भानपुरी मंडल के विभिन्न गांवों में स्थित माता मंदिरों एवं दुर्गा पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए। उन्होंने सभी पूजा पंडालों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर समस्त क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति और मंगलमय जीवन की कामना की। मंत्री केदार कश्यप ने ग्राम बेसोली, बोड़नपाल-2, चपका, चमिया, देवड़ा, नंदपुरा, नंदपुरा-अमडीगुड़ा, फाफनी, मुरकुची, सिवनी एवं सोनारपाल में माता के दरबार में पहुंचकर श्रद्धापूर्वक शीश नवाया। नवरात्रि के अवसर पर गांवों में भक्ति और आस्था के माहौल के बीच उन्होंने श्रद्धालुओं एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि शक्ति, श्रद्धा और उपासना का महापर्व है। इस धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाते हुए मंत्री ने क्षेत्र के विकास और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

दंतेवाड़ा में आज विशाल दिव्यांग सहायता शिविर, वर्चुअल जुड़ेंगे अमित शाह

दंतेवाड़ा। बस्तर अंचल के दिव्यांगजनों एवं नक्सल आईईडी ब्लास्ट से प्रभावित जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दंतेवाड़ा जिले में 15 से 17 अक्टूबर तक विशाल निःशुल्क दिव्यांग सहायता एवं उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पुलिस लाइन कारली में आयोजित इस शिविर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। इस दौरान वे शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करने के साथ ही नक्सल हिंसा एवं आईईडी ब्लास्ट से प्रभावित पीड़ितों से संवाद करेंगे। शिविर में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा भी शामिल होंगे।

सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा के लिए तय तारीखें

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 अक्टूबर को सुकमा एवं बीजापुर जिलों के दिव्यांगजन तथा नक्सल हिंसा से प्रभावित हितग्राही शिविर में शामिल होंगे। वहीं 16 अक्टूबर को दंतेवाड़ा जिले के हितग्राहियों को शिविर में लाभान्वित करने की व्यवस्था की गई है। यह शिविर 17 अक्टूबर तक जारी रहेगा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार शिविर के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

768 हितग्राहियों को मिलेंगे कृत्रिम अंग और उपकरण

शिविर में दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप कृत्रिम हाथ-पैर, कैलिपर्स, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र सहित विभिन्न सहायक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिलों में कुल 768 दिव्यांग हितग्राहियों को इसके लिए चिन्हांकित किया गया है। इसमें दंतेवाड़ा जिले के 509, बीजापुर के 197 और सुकमा जिले के 62 दिव्यांगजन शामिल हैं। इनमें नक्सल घटनाओं और आईईडी ब्लास्ट में दिव्यांग हुए 22 व्यक्ति भी शामिल हैं, जिन्हें कृत्रिम अंग देकर उनका जीवन सुगम बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

ट्रेनें बंद होने से यात्री और मरीज परेशान

जगदलपुर। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण बस्तर में रेल सेवाएं पिछले 20 दिनों से पूरी तरह ठप हैं। रेलवे द्वारा नया शेड्यूल जारी कर ट्रेनों को 10 दिन और रद्द किए जाने से बस्तर में मेगा ब्लॉक जैसी स्थिति बन गई है। ट्रेनें नहीं चलने से सबसे ज्यादा परेशानी उन मरीजों को हो रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए विशाखापटनम जाना पड़ता है। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रशासनिक महामंत्री अनवर खान ने रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखी नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बस्तर से सर्वाधिक आय मिलने के बावजूद रेलवे तकनीकी खराबियों का ठोस समाधान निकालने में असफल रहा है। खान ने स्थानीय विधायक व परिवहन मंत्री केदार कश्यप की प्रशासनिक पकड़ पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रेल बंद होने का फायदा उठाकर निजी बस संचालक त्योहार के सीजन में मुसाफिरों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं और विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।



बस किराए में 40 प्रतिशत की वृद्धि जनता के लिए आफत : जावेद



जगदलपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता जावेद खान ने राज्य सरकार द्वारा यात्री बस किराए में 40 प्रतिशत की भारी वृद्धि को मंजूरी देने के निर्णय को जनता के लिए अमानवीय बताया है। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग में आम जनता के लिए आवागमन का एकमात्र साधन बसें हैं, क्योंकि यहां पर्याप्त ट्रेन और हवाई सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। दीपावली के त्योहारी सीजन में लिया गया यह फैसला आम छत्तीसगढ़ियों के लिए बड़ी आफत है। जावेद ने कहा कि महंगाई की मार झेल रही जनता पर यह नया बोझ भाजपा सरकार का जनविरोधी चेहरा उजागर करता है। नए प्रावधानों के तहत साधारण बस में शुरुआती 5 किलोमीटर के बाद प्रति किलोमीटर 1.75 रुपये और डीलक्स, एसी बसों में 2.20 रुपये का किराया वसूल किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मांग की है कि इस वृद्धि पर पुनर्विचार कर बढ़ी हुई दरें तुरंत वापस ली जाएं।

ग्रामसभा में प्रस्ताव पास होने के बाद की गई परम्परा एवं सांस्कृतिक संरक्षण बोर्ड की स्थापना

बड़ेबोदल पंचायत में पास्टर व पादरियों का प्रवेश वर्जित

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



जगदलपुर ब्लॉक के बड़ेबोदल पंचायत में अब पास्टर व पादरियों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। ग्रामसभा में प्रस्ताव पास होने के बाद धर्मांतरण के रोकथाम के लिए ग्राम के द्वार में आदेश से सम्बधित बोर्ड लगा दिया गया है। ग्राम पंचायत की सरपंच सामबती नाग ने बताया कि बुधवार को ग्रामसभा द्वारा परम्परा एवं सांस्कृतिक संरक्षण बोर्ड की स्थापना की गई है। बोर्ड की स्थापना गांव के अटल चौक में की गई है, जिसमें बताया गया है, पेसा पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम 1996 के अंतर्गत ग्राम की परम्परा, रीति-रिवाज एवं सांस्कृतिक संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस अवसर पर ग्राम सभा द्वारा गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने सूचना बोर्ड स्थापित किया गया। ग्राम सभा ने निर्णय लिया कि गांव में किसी भी प्रकार के बाहरी आयोजन, सभा या कार्यक्रम से पूर्व ग्राम सभा की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। ग्रामसभा की बैठक के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण व जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर सरपंच पति सुखनाथ नाग, उप सरपंच गंगाराम कश्यप, माटी पुजारी टीरो नाग, कोटवार सुकरू कश्यप, पटेल सोमारू मंडावी, पुजारी फागुराम गोयल, रामकुरसो गोयल, कोटवार हरिसिंह नाग, ग्राम प्रमुख महेश गोयल, तुलसीराम मंडावी, गुंजुराम मंडावी, परदेसी कावासी, बंडकु राम कश्यप, ऐलीशा मंडावी, जदूराम नाग, संतराम नाग, नडगू राम कश्यप, जानूराम नाग, शिबो बघेल, भीमसेन नाग, गागरु बघेल, लाल कुमार कश्यप, सुखदेव नाग, रामधर नाग समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

कुम्हरावंड कृषि अनुसंधान केंद्र में बासमती की खेती की संभावनाओं पर शोध

बासमती चावल बस्तर की पहचान, वैज्ञानिक कर रहे परीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर की पहचान अब केवल पारंपरिक धान की खेती तक सीमित नहीं रहने वाली है। यहां के खेतों में अब बासमती धान की खुशबू बिखेरने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। कुम्हरावंड स्थित परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक बस्तर की जलवायु, मिट्टी और स्थानीय कृषि परिस्थितियों के अनुरूप पहली बार बासमती धान की विभिन्न किस्मों का परीक्षण कर रहे हैं।

इस शोध का उद्देश्य ऐसी किस्म की पहचान करना है, जो बेहतर उत्पादन के साथ दाने की गुणवत्ता, सुगंध और रोग-कीटों के प्रति सहनशीलता के मामले में भी उपयुक्त साबित हो सके। बासमती चावल अपनी विशेष सुगंध, लंबे-पतले दाने और स्वाद के लिए देश-विदेश में



पहचान रखता है। शादी-ब्याह, त्योहारों और खास अवसरों पर बिरयानी व पुलाव जैसे व्यंजनों में इसकी मांग बनी रहती है। ऐसे में यदि बस्तर की परिस्थितियों में बासमती की खेती सफल होती है, तो यहां के किसानों के लिए अधिक मूल्य वाली धान की खेती का एक नया विकल्प विकसित हो सकता है। अखिल भारतीय चावल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत वैज्ञानिक डॉ. सोनाली कर के नेतृत्व में बासमती धान की विभिन्न किस्मों का मूल्यांकन किया जा रहा है। इस दौरान केवल उत्पादन क्षमता ही नहीं, बल्कि पौधों की वृद्धि, दाने की लंबाई एवं गुणवत्ता, सुगंध, पकने की विशेषताओं और रोग-कीटों के प्रति उनकी ⏭ शेष पेज 10 पर

सफल हुई खेती तो किसानों को मिलेगा नया विकल्प

डॉ. सोनाली कर के अनुसार बस्तर की जलवायु के लिए उपयुक्त सुगंधित धान की किस्म की पहचान करना इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य है। यदि कोई किस्म यहां अच्छी उपज, बेहतर दाना गुणवत्ता और रोग-कीटों के प्रति अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करती है, तो उसके आधार पर किसानों के लिए खेती की संभावनाओं का आकलन किया जा सकता है। वहीं परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर के सह संचालक अनुसंधान डॉ. एके ठाकुर ने कहा कि बस्तर के किसानों के लिए नई फसलों और नई किस्मों की संभावनाओं का वैज्ञानिक परीक्षण समय की आवश्यकता है। स्थानीय परिस्थितियों में सफल किस्मों की पहचान होने से भविष्य में किसानों के लिए नए विकल्प विकसित किए जा सकते हैं।



खबर संक्षेप



मुख्यमंत्री साय को सहस्रबाहु अर्जुन जयंती में शामिल होने का न्योता

केशकाल। भगवान श्री सहस्रबाहु अर्जुन जयंती का संभाग स्तरीय आयोजन आगामी 16 नवंबर को ग्राम धनोरा, केशकाल में किया जाएगा। आयोजन में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आयोजन के संबंध में अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री को आमंत्रित करने विधायक नीलकंठ टेकाम, पूर्व विधायक एवं भाजपा जिला अध्यक्ष सेवक राम नेताम, भाजपा जिला महामंत्री विजय पोया तथा कलार समाज के ब्लॉक अध्यक्ष दीपेश सेठिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर कलार समाज के ब्लॉक उपाध्यक्ष यादप्रसाद सिन्हा, ब्लॉक सचिव भवसागर बघेल, युवा प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष रोशन सिन्हा सहित समाज के पदाधिकारी नन्दलाल सूर्यवंशी, प्रेमराज बघेल, संजय प्रधान, लक्ष्मीनाथ अतकारी, सोनू राम वैद्य, गिरधारी प्रधान एवं आलमसिंह अतकारी उपस्थित रहे।

पटवारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी



फरसगांव। विभिन्न मांगों को लेकर राजस्व पटवारी संघ अनिश्चितकालीन हड़ताल के दूसरे दिन बुधवार को भी जारी रही। फरसगांव एवं माकड़ी राजस्व क्षेत्र के पटवारी फरसगांव तहसील कार्यालय के सामने धरने पर बैठकर शासन-प्रशासन का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित कर रहे हैं। संघ ने मंगलवार, 13 अक्टूबर से हड़ताल शुरू की है। हड़ताल के पहले दिन जिले के पटवारी जिला मुख्यालय में एकत्र होकर आंदोलन में शामिल हुए थे। वहीं दूसरे दिन फरसगांव और माकड़ी क्षेत्र के पटवारियों ने फरसगांव तहसील कार्यालय के सामने धरना देकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। राजस्व पटवारी संघ की प्रमुख मांगों में पीवी ऐप के उपयोग पर रोक, भुइयां पोर्टल में सुधार, लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय तथा राजस्व संवर्ग से जुड़ी समस्याओं का निराकरण शामिल है। संघ का कहना है कि किसानों के हितों की रक्षा और राजस्व व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए मांगों पर सकारात्मक पहल जरूरी है। पटवारियों ने अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का रुख अपनाया है। पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों से संबंधित प्रक्रिया, भूमि रिकॉर्ड और अन्य राजस्व कार्य प्रभावित होने की आशंका है।

// नाम परिवर्तन //

शपथ-पत्र का प्रारूप

मैं **सुमित्ता मंडावी** (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/ सुपुत्री/पत्नी बुधराम मंडावी निवासी कर्रारमेटा तहसील धनोरा जिला कोण्डागांव छत्तीसगढ़ 494230 छत्तीसगढ़ एतद्द्वारा पूर्णतः पुष्टि कर करता हूं तथा निम्नानुसार घोषित करता हूं:-

1. मैं ग्राम कर्रारमेटा तहसील धनोरा जिला कोण्डागांव छत्तीसगढ़ 494230 का स्थायी निवासी हूं।
2. मेरा **पुराना नाम सुमित्ता मंडावी** है और मैं अपना नाम बदलकर **सुमित्रा नेताम** (**नया नाम**) **सुमित्रा नेताम** करवाना चाहता/चाहती हूं।
3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।
4. मैं नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी का करता/करती हूं, तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा/रहूंगी।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा/ रही हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा /रही हूं।

दिनांक-13.10.2026 **सुमित्ता मंडावी**
(पुराने नाम से हस्ताक्षर)

कांग्रेस ने ग्रामीणों के लिए मांगी मूलभूत सुविधाएं, बेनूर में किया चक्काजाम

आंदोलन के दौरान प्रभावित हुआ आवागमन, गिनाई समस्याएं



हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणपुर

क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, राशन कार्ड सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर मंडल कांग्रेस कमेटी बेनूर के तत्वावधान में जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कुशल नेतृत्व में जोरदार आंदोलन किया गया। आंदोलन के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोग बस स्टैंड चौक पर एकत्रित हुए और मांगों को लेकर चक्काजाम किया।

आंदोलन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इसी मार्ग से क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप, वन मंत्री केदार कश्यप आना जाना करते हैं, वहीं कलेक्टर से लेकर समस्त पदाधिकारियों का आना जाना लगा रहता है फिर भी क्षेत्र के ग्रामीण लंबे समय से सड़क, बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान हैं। राशन कार्ड बनाने एवं उससे जुड़ी प्रक्रियाओं में आ रही जटिलताओं के कारण भी आम लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर कांग्रेस ने शासन-प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। बस स्टैंड चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का तत्काल निराकरण करने की मांग करते हुए तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं को नजरअंदाज किया गया तो आने वाले समय में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इस दौरान पूर्व विधायक चन्दन कश्यप, पीसीसी महासचिव रजनू नेताम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीवान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पंडी राम वड्डे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रघु मानिकपुरी, जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष देवनाथ उसेंडी, आदिवासी मोर्चा कांग्रेस अध्यक्ष मैनु राम कुमेटी, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष राजू देहारी, संगठन महासचिव संजय राय, प्रसाशनिक महासचिव शेख तौहीद अहमद, मिडिया एवं शहर कांग्रेस प्रभारी रवि देवांगन नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रमोद नैलवाल, कोषाध्यक्ष वीपी शुक्ला, शब्बीर बढ़गुजर, एवं कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, कांग्रेस कार्यकर्ता तथा क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आंदोलन के चलते बस स्टैंड चौक पर कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा।

जेएनयू प्रकरण पर जिला भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, कांग्रेस कार्यालय का घेराव

कथित यौन दुर्व्यवहार मामले में निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्राओं के साथ कथित यौन दुर्व्यवहार के मामले को लेकर भाजपा महिला मोर्चा, जिला कोण्डागांव ने विरोध प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम का पुतला दहन किया तथा मामले की निष्पक्ष जांच और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की मांग उठाई।

महिला मोर्चा की जिला प्रभारी उमा शर्मा ने आरोप लगाया कि छात्राओं से जुड़े गंभीर मामले में कांग्रेस नेतृत्व का रुख स्पष्ट नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और सम्मान के मुद्दे पर दोहरा मापदंड स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रियंका गांधी के लड़की हूं, लड़ सकती हूं नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों में भी समान रूप से स्पष्ट रुख अपनाया जाना चाहिए। महिला मोर्चा ने संबंधित सांसद के निलंबन की मांग भी उठाई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिम्मेदारी तय की जाए और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

प्रदर्शन में कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, नगरपालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष सेवक नेताम, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष संतोषी देवांगन, दीपेश अरोरा, मनोज जैन, सोनामणि, होलिका नेताम, सुमन शुक्ला, जूही तिवारी, सती बघेल, लक्ष्मी ध्रुव, वर्षा प्रकाश, अनीता नेताम, शैल सेठिया, सुश्री सूरज नेताम, भगवती नेताम, संतो नाग, यशोदा कश्यप और रामदाई नाग सहित भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

सड़क हादसे में डायल 112 के चालक की मौत, एक घायल



हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

कोंडागांव सिटी कोतवाली क्षेत्र के राजागांव के पास मंगलवार देर रात सड़क हादसे में डायल 112 के चालक योगेश नेताम की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की जानकारी मिली है। हादसा रात करीब 10 बजे हुआ, जब बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। जानकारी के अनुसार, हादसे में योगेश नेताम के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान योगेश नेताम, पिता उग्रेश नेताम, निवासी लंजोड़ा के रूप में हुई है। वह फरसगांव में संचालित डायल 112 की टीम में वाहन चालक के पद पर कार्यरत थे। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। बुधवार को परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम पश्चात शव परिजनों को सुपुर्द कर हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

- **बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराई, सिर में गंभीर चोट लगने से गई जान**

कोडागांव में बस्तर जिला माहेश्वरी सभा की प्रथम कार्यकारिणी बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव



बस्तर जिला माहेश्वरी सभा के सत्र 2026–29 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक कोंडागांव में हुई। बैठक में समाज की वर्तमान गतिविधियों, आगामी धार्मिक कार्यक्रमों, धार्मिक यात्रओं, बच्चों में संस्कारों के विकास तथा संगठन को अधिक सशक्त बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने समाज के विकास, संगठनात्मक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं को लेकर अपने विचार साझा किए। बैठक में वर्तमान सत्र के दौरान बच्चों के लिए संस्कार शिविर आयोजित करने, समाज का परिचय सम्मेलन कराने तथा डिजिटल माध्यमों से समाज की जानकारी को व्यवस्थित और सुलभ बनाने पर चर्चा हुई। इन योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर सभा के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। उद्देश्य है कि नई पीढ़ी को सामाजिक परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने के साथ समाज के सदस्यों के बीच संपर्क एवं सहयोग को और मजबूत किया जाए।

जुगानी कैंप में कल से सजेगा दुर्गा पूजा का दरबार, मीना बाजार भी बनेगा आकर्षण



फरसगांव। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति के तत्वावधान में ग्राम जुगानी कैंप में 16 अक्टूबर से मां दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पूजा पंडाल को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है, वहीं मां दुर्गा की प्रतिमा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन के दौरान मीना बाजार, खान-पान की दुकानें और विभिन्न दुकानें श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगी। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। ढाक, कास, शंख और उलू ध्वनि के बीच आरती होगी। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन महाप्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई है। दुर्गा पूजा महोत्सव के विशेष आकर्षण के रूप में 18 अक्टूबर को राज्य स्तरीय डीजे डांस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं 21 अक्टूबर को विजयादशमी के अवसर पर सिंदूर दान और बंग मिलन का कार्यक्रम होगा। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति ने क्षेत्र के नागरिकों से सपरिवार शामिल होकर मां दुर्गा के दर्शन करने तथा पूजा महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

एनसीसी कैडेट शिवशंकर का राष्ट्रीय शिविर के लिए चयन

कोण्डागांव। बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 9वीं के छात्र एवं एनसीसी द्वितीय वर्ष के कैडेट शिवशंकर नाग का चयन अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में आयोजित अखिल भारतीय प्रथम पूर्वोत्तर क्षेत्र एनसीसी पदयात्र शिविर 2026 के लिए हुआ है। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 17 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर के एनसीसी पदयात्र शिविर में कैडेट शिवशंकर नाग सहभागिता करेंगे। इस शिविर के माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने और विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कैडेट शिवशंकर नाग के राष्ट्रीय शिविर के लिए चयनित होने पर विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र कुमार नायक, एनसीसी अधिकारी अभिलाषा निषाद, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी हरिशंकर नेताम सहित समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं ने हर्ष व्यक्त किया।



पीएम सृजन योजना से अमित डे बने आत्मनिर्भर उद्यमी

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का लाभ लेकर कोण्डागांव जिले के फरसगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पश्चिम बोरगांव निवासी अमित डे ने इलेक्ट्रिरकल रिपेयरिंग का व्यवसाय स्थापित कर स्वरोजगार की दिशा में सफलता हासिल की है। आज उनका व्यवसाय न केवल उनकी आजीविका का साधन बना है, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करा रहा है। अमित डे ने आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। उन्होंने फरसगांव क्षेत्र में इलेक्ट्रिरकल उपकरणों की मरम्मत करने वाले कुशल सेवा प्रदाताओं की मांग को देखते हुए इसी क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने की योजना बनाई। अपने व्यवसाय को शुरू करने के लिए अमित डे ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, फरसगांव में 3 लाख के ऋण के लिए आवेदन किया। योजना के तहत उन्हें ग्रामीण क्षेत्र के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत अनुदान का लाभ मिला। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के माध्यम से



अमित डे को 75 हजार रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहयोग से उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध हुई। इसके बाद उन्होंने नगर पंचायत फरसगांव में अमित रेफ्रिजरेशन के नाम से अपना प्रतिष्ठान स्थापित किया।

पेज 9 के शेष

बासमती चावल बढ़ायेगा ....

प्रतिक्रिया का भी अध्ययन किया जा रहा है। वैज्ञानिक यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि बस्तर के तापमान, वर्षा और मिट्टी के अनुसार कौन-सी किस्म बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। फिलहाल बासमती धान की खेती को लेकर चल रहा यह प्रयोग शोध के चरण में है। किसानों को बड़े पैमाने पर इसकी खेती अपनाने की सलाह देने से पहले उत्पादन, लागत, बाजार की मांग और आर्थिक लाभ का आकलन जरूरी होगा। यदि परिणाम अनुकूल रहे, तो आने वाले वर्षों में बस्तर के खेतों से पैदा होने वाला सुगंधित चावल किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में नई संभावना बन सकता है।

रोग-कीटों से मुकाबले की भी हो रही पड़ताल : सुगंधित धान की खेती में बेहतर गुणवत्ता के साथ फसल सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। बासमती एवं अन्य सुगंधित धान की फसल ब्लास्ट, भूरा धब्बा, तना छेदक और गंधी कीट जैसे रोगों व कीटों से प्रभावित हो सकती है। इसलिए परीक्षण के दौरान यह भी देखा जा रहा है कि स्थानीय परिस्थितियों में इनका प्रकोप कितना होता है और फसल पर इसका क्या असर पड़ता है। इन पहलुओं का आकलन सफल किस्म की पहचान करने में महत्वपूर्ण होगा।





खबर संक्षेप

पायल को व्हीलचेयर व बैसाखी से आसान होगी राह



दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प अभियान के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन को सुगम बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 11 अक्टूबर को कटेकल्याण निवासी अस्थिबाधित दिव्यांग पायल नाग, पिता मोहन नाग को एक व्हीलचेयर एवं एक जोड़ी बैसाखी प्रदान की गई। आवश्यक सहायक उपकरण मिलने से पायल नाग को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा दैनिक गतिविधियों को पूरा करने में सहायता प्राप्त होगी। व्हीलचेयर और बैसाखी उनके लिए केवल सहायक उपकरण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इससे उनके जीवन में सहजता आएगी और दूसरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग की यह पहल दिव्यांगजनों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने, उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक कदम है। अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक सहायता पहुंचाकर उनके जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना है।

शिक्षिका को लाल वस्त्र और भवानी माला धारण कर स्कूल आने से रोकने का आरोप

मिशनरी स्कूल में धार्मिक पहनावे को लेकर विवाद, हिंदू समाज ने जताया कड़ा विरोध





हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

सुकमा जिले के कोंटा स्थित मदर टेरेसा ज्योति कॉन्वेंट स्कूल में एक शिक्षिका के धार्मिक पहनावे को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शारदीय नवरात्र के दौरान लाल वस्त्र और भवानी माला धारण कर विद्यालय पहुंचीं शिक्षिका लक्ष्मी प्रसन्ना को कथित तौर पर स्कूल आने से रोकने

■ प्रशासन की मौजूदगी में हुई चर्चा

का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आने के बाद हिंदू समाज के लोगों ने स्कूल पहुंचकर कड़ा विरोध जताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा दोनों पक्षों से चर्चा कर शांति बनाए रखने की अपील की।

बसंत पंचमी पर अवकाश को लेकर भी उठे सवाल

विरोध के दौरान हिंदू समाज के लोगों ने विद्यालय की कार्यप्रणाली पर अन्य सवाल भी उठाए। उनका आरोप है कि बसंत पंचमी जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर विद्यालय बंद रखा जाता है, जबकि इस पर्व का शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्व है। लोगों ने सवाल किया कि विद्यालय में पढ़ने वाले अधिकांश विद्यार्थी हिंदू समुदाय से हैं, ऐसे में उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं का सम्मान क्यों नहीं किया जाता। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि संस्था में शिक्षा विभाग के लागू नियमों और शर्तों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा धार्मिक आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव की शिकायत की निष्पक्ष जांच हो। कुछ लोगों ने विद्यालय परिसर में देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित करने की मांग भी उठाई।

कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

विवाद के बाद हिंदू समाज के लोगों ने विद्यालय की विभिन्न कमियों और अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। इस संबंध में जिला कलेक्टर के नाम खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर संस्था की कार्यप्रणाली की जांच और आवश्यक सुधार कराने की मांग की गई है। वहीं, मंगलवार शाम को संस्था के उच्च पदाधिकारी फादर के समक्ष भी मामले को रखने और आगे की चर्चा करने की बात कही गई। फिलहाल, मामले में प्रशासनिक स्तर पर बातचीत और समाधान की कोशिशें जारी हैं। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग आरोपों की जांच कर क्या कदम उठाता है और शिक्षिका के इस्तीफे तथा धार्मिक पहनावे से जुड़े विवाद का किस प्रकार समाधान निकाला जाता है।

धार्मिक दीक्षा के वस्त्रों पर आपत्ति का आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिक्षिका लक्ष्मी प्रसन्ना पिछले करीब 15 वर्षों से उक्त संस्था में सेवाएं दे रही हैं। शारदीय नवरात्र के दौरान उन्होंने धार्मिक परंपरा के अनुसार लाल वस्त्र धारण किए थे। आरोप है कि विद्यालय के प्राचार्य ने उनके इस पहनावे पर आपत्ति जताते हुए लाल कपड़ों में स्कूल नहीं आने को कहा। शिक्षिका ने इसे धार्मिक दीक्षा का हिस्सा बताते हुए अपनी बात रखी, लेकिन विवाद बढ़ गया। बताया जा रहा है कि इससे आहत शिक्षिका ने इस्तीफा देने की बात कही और संस्था को अपना त्यागपत्र भी सौंप दिया।

अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

घटना की जानकारी फैलने के बाद हिंदू समाज के लोग स्कूल पहुंचे और प्राचार्य के कथित रवैये पर नाराजगी जताई। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस भी हुई। स्थिति को शांत करने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी एसके दीप और थाना प्रभारी शिवानंद तिवारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने संबंधित पक्षों से बातचीत कर मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की अपील की। विरोध जता रहे लोगों का आरोप है कि धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में भेदभावपूर्ण रवैया नहीं अपनाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि शिक्षिका की धार्मिक मान्यता और पहनावे को लेकर इस तरह की आपत्ति से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। हालांकि, प्राचार्य के पक्ष और घटना के सभी तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

ब्लॉक कॉलोनी में 36 वर्षों से बैठाई जा रही नवरात्रि पर मां दुर्गा की प्रतिमा



हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

नगर के ब्लॉक कॉलोनी में पिछले 36 वर्षों से लगातार नवरात्र पर मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की गौरवशाली परंपरा निभाई जा रही है। यह आयोजन स्थानीय निवासियों की गहरी आस्था, एकजुटता और अटूट भक्ति का जीवंत प्रतीक बन चुका है। ब्लॉक कॉलोनी के सभी नागरिकों और समिति के सदस्यों के आपसी सहयोग से हर साल इस भव्य उत्सव का आयोजन सफलता के साथ किया जा रहा है।

गौरतलब है कि नगर की सबसे पुरानी दुर्गोत्सव समितियों में शामिल ब्लॉक कॉलोनी की सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति द्वारा अनवरत बीते 36 वर्षों से शारदीय नवरात्र पर मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा बनाकर स्थापित की जाती रही है। इस वर्ष भी मां भगवती पंडाल में धूमधाम के साथ विराजमान हुई हैं। यहां विद्वान पंडित विजय कर द्वारा दुर्गा सप्तशती के 13 अध्यायों का पाठ प्रतिदिन किया जा रहा है। सुबह-शाम मां की महाआरती संपन्न होती है, जिसके बाद महिला मंडली की सामूहिक टीम द्वारा मां के भजन-कीर्तन का गायन किया जाता है।

18 अक्टूबर को अष्टमी तिथि पर सुबह विशेष पूजा संपन्न की जाएगी, जिसे मध्य रात्रि संध्या पूजा कहा जाता है। 19 अक्टूबर को नवमीं तिथि पर कन्या पूजन, कन्या भोज, हवन एवं भंडारे के प्रसाद का वितरण होगा।

समिति के सदस्यों ने बताया कि आज से 36 वर्ष पहले, वर्ष 1990-91 में इसी कॉलोनी में रहने वाले युवक कमलेश ठाकुर ने मां दुर्गा की प्रतिमा अपने हाथों से बनाई थी। उक्त प्रतिमा को उस वर्ष नवरात्र में स्थापित कर पूजा-पाठ किया गया था। तभी से लगातार कॉलोनी में दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा चल पड़ी, जो आज भी शिद्दत से निभाई जा रही है। जिस जगह पर प्रतिमा स्थापित होती है, उस स्थान का नाम भी दुर्गा चौक पड़ गया है।

नगर की ब्लॉक कॉलोनी की दुर्गोत्सव समिति सबसे पुरानी है। समिति के सदस्यों का कहना है कि चाहे समय कितना भी विपरीत रहा हो, आर्थिक हालात ठीक रहे हों या नहीं, लेकिन नवरात्र पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य किसी भी वर्ष नहीं रुका है। मां दुर्गा देवी की ही कृपा रही है, जिसके चलते हम लोगों ने इस परंपरा को जारी रखा है और यह परंपरा अब अपने 36वें वर्ष के पड़ाव पर पहुंच चुकी है। उम्मीद है कि आने वाली पीढ़ी भी इसे निरंतर आगे जारी रखेगी।

बाढ़ प्रभावित किसानों की मांगों पर छह दिन का अल्टीमेटम, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोंड



इंद्रावती और नारंगी नदी में आई बाढ़ तथा अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों एवं ग्रामीण परिवारों की समस्याओं को लेकर बुधवार को तहसीलदार बस्तर के माध्यम से मुख्यमंत्री, कलेक्टर बस्तर और एसडीएम बस्तर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के जरिए प्रभावित ग्रामीणों ने मांगों पर कार्रवाई के लिए प्रशासन को छह दिवस का अल्टीमेटम दिया है।

जनपद पंचायत बस्तर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बोदरा, भैंसगांव, खोटलापाल और रोतमा में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से कृषि भूमि, फसलों और मकानों को नुकसान पहुंचा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि प्रभावित क्षेत्रों में राजस्व विभाग द्वारा अब तक मौके पर पहुंचकर फसल क्षति का समुचित स्थलीय निरीक्षण एवं सर्वे नहीं किए जाने से किसानों में निराशा और आक्रोश है। समय पर क्षति का आकलन और मुआवजा नहीं मिलने से प्रभावित परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। ज्ञापन में आरबीसी 6-4 के तहत तत्काल सर्वे, पात्र किसानों को मुआवजा, फसल बीमा से वंचित किसानों के लिए विशेष राहत और कृषि ऋण माफी की मांग की गई है। इसके साथ ही मकान क्षति सहायता राशि में वृद्धि की मांग भी रखी गई है। ग्रामीणों ने आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की सहायता राशि 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये तथा पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की सहायता राशि 1.30 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.50 लाख रुपये करने की मांग की है। ज्ञापन में प्रशासन से छह दिवस के भीतर सर्वे की प्रगति, पात्र हितग्राहियों की सूची और राहत राशि वितरण की समय-सीमा स्पष्ट करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर वे अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन करेंगे। इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला, जनपद पंचायत सदस्य चईत राम कश्यप, ग्राम पंचायत सरपंच कचरु कश्यप, मदन बघेल, नरसिंह बघेल, बलराम भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। प्रभावित किसानों एवं ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि बाढ़ पीड़ित परिवारों की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र सर्वे कर उचित मुआवजा और राहत उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिल सके।

सेतु संभाग की नई एसडीओ बनीं नीता जोशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



■ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर रहेगा जोर

लोक निर्माण विभाग के सेतु संभाग जगदलपुर में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) के पद पर श्रीमती नीता जोशी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वे लोनिवि के ईएनसी कार्यालय रायपुर से स्थानांतरित होकर जगदलपुर पहुंची हैं। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में चल रहे पुल-पुलियों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने की बात कही। श्रीमती जोशी ने बताया कि सेतु संभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन ब्रिज के कार्यों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का जायजा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित ठेकेदारों को निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए जाएंगे। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

महतारी वंदन योजना से बेटी की भविष्य गढ़ रही प्रमिला

गीदम। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियों के माध्यम से आमजन को योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम बोदली की रहने वाली प्रमिला पोटामी ने बताया कि महतारी वंदन योजना से हर माह 1 हजार की राशि उनके खाते में आ रही है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली इस राशि का उपयोग वह अपनी बेटी के भविष्य को संवारने में कर रही है। विमला आगे बताती है कि बेटी के नाम से उन्होंने सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है और सरकार से मिलने वाली इस मदद को हर माह बेटी के नाम पर सुकन्या समृद्धि खाते में जमा कर रही है।

प्रमोद बने छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ के प्रांतीय संगठन सचिव



गीदम। छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ ने कुआकोंडा विकासखंड में कार्यरत खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया को प्रांतीय संगठन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी है। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने 10 अक्टूबर को नियुक्ति पत्र जारी कर उन्हें यह दायित्व प्रदान किया। उनकी नियुक्ति से जिले के शिक्षा जगत में हर्ष का माहौल है। प्रमोद भदौरिया वर्तमान में विकासखंड कुआकोंडा में खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। प्रांतीय संगठन सचिव के रूप में वे संगठन की गतिविधियों के संचालन और संगठन को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति पर जिला अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं शैलेश सिंह और कुलदीप सिंह चौहान ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। जिले के समस्त पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने विश्वास जताया कि प्रमोद भदौरिया अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे तथा संगठन को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शक्ति की भक्ति में डूबा मद्देड़, चहुंओर गूंज रहे माता के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मद्देड़



शारदीय नवरात्रि के इन पावन और मंगलकारी दिनों में मद्देड़ ग्राम पूरी तरह से भक्तिमय और ऊर्जा से सराबोर हो गया है। मद्देड़ ग्राम में मां दुर्गा की महिमा की धूम है। मां दुर्गा की स्थापित भव्य पंडाल और मंदिर में मां शेरावाली की आराधना का सिलसिला पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ जारी है।

मद्देड़ के दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा इस वर्ष बेहद मनमोहक और भव्य पंडालों का निर्माण किया गया है। मंदिर और पंडाल को रंग-बिरंगी झालरों, आकर्षक कलर लाइटों और फूलों से बहुत ही खूबसूरती से सजाया गया है। रात के समय जब ये रंग-बिरंगी लाइटें जगमगाती हैं, तो पूरा मद्देड़ ग्राम क्षेत्र ग्रामीण अंचल अलौकिक प्रकाश से न्हया उठता है, जिसे देखने के लिए लोगों का तांता लगा हुआ है।

पंडाल और मंदिर में सुबह से लेकर देर रात तक धार्मिक अनुष्ठानों का दौर चल रहा है। वेदमंत्रों के उच्चार और शंख-घंटियों की गूंज के साथ मां दुर्गा के नित्य पूजन, अभिषेक और हवन संपन्न हो रहे हैं। इन चार-पांच दिनों में श्रद्धालुओं की अपार श्रद्धा देखने को मिल रही है। सुबह की मंगल आरती से लेकर संध्या आरती तक भक्तों का तांता लगा रहता है। मां दुर्गा के दर्शन के लिए मद्देड़ में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या युवा-युवतियां सभी में मां के दर्शन की गहरी ललक दिखाई दे रही है। कतारबद्ध होकर श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते हैं और माता रानी के दरबार में माथा टेककर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और शांति के लिए आशीर्वाद मांग रहे हैं। माता के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा है। पूजा-अर्चना और दर्शन के पश्चात समितियों और श्रद्धालुओं द्वारा लगातार प्रसाद का वितरण किया जा रहा है। इस आयोजन से न केवल धार्मिकता बढ़ रही है, बल्कि आपसी भाईचारा, मेलजोल और सामाजिक सौहार्द का एक अनूठा दृश्य भी देखने को मिल रहा है।

मां दुर्गा के दरबार में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, सात दशकों से अखंड परंपरा का निर्वहन

चार राज्यों की आस्था का संगम बना कोंटा का माणिकेश्वर शिवालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा



■ विजयादशमी पर भव्य झांकियां और रावण दहन बनेगा आकर्षण का केंद्र

आस्था जब परंपरा से जुड़ती है, तो वह केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पीढ़ियों की श्रद्धा, विश्वास और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बन जाती है। छत्तीसगढ़ के दक्षिणी छोर पर स्थित सुकमा जिले के सीमावर्ती नगर कोंटा में इन दिनों ऐसा ही भक्तिमय वातावरण देखने को मिल रहा है। यहां स्थित प्राचीन श्रीश्रीश्री माणिकेश्वर शिवालय में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम दिखाई दे रहा है। लगभग 70 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा आज भी उसी आस्था और उत्साह के साथ कायम है। मंदिर में विराजमान मां दुर्गा के दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ सहित ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मां के जयकारों से मंदिर परिसर और आसपास का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

कोंटा का माणिकेश्वर शिवालय केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्र की आस्था और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। यहां नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की आराधना की परंपरा करीब सात दशक पुरानी है। समय बदला, पीढ़ियां बदलीं और नगर का विस्तार हुआ, लेकिन मंदिर से जुड़ी श्रद्धा और धार्मिक परंपरा आज भी कायम है। स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए यह मंदिर विश्वास, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। नवरात्रि के दिनों में सुबह से ही भक्त दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने लगते हैं। परिवारों के साथ आने वाले श्रद्धालु मां दुर्गा के समक्ष सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और क्षेत्र की मंगलकामना के लिए प्रार्थना करते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, सच्चे मन से मां के दरबार में मांगी गई मुराद पूरी होती है। इसी अटूट विश्वास के कारण दूर-दराज के गांवों और पड़ोसी राज्यों से भी भक्त यहां पहुंचते हैं।

चार राज्यों के श्रद्धालुओं को जोड़ती है मां की भक्ति

कोंटा की भौगोलिक स्थिति इसे धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष बनाती है। छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सीमावर्ती क्षेत्रों से लोगों का यहां आना-जाना लगा रहता है। नवरात्रि के अवसर पर यही भौगोलिक निकटता श्रद्धा के साझा उत्सव का रूप ले लेती है।

माणिकेश्वर शिवालय में मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आते हैं, लेकिन मां के प्रति उनकी आस्था सभी को एक सूत्र में बांधती है। मंदिर परिसर में दिखाई देने वाली भक्तों की आवाजाही इस बात का प्रतीक है कि धार्मिक परंपराएं सीमाओं से परे लोगों को जोड़ने का काम करती हैं। कोंटा का यह आयोजन क्षेत्र की सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूती प्रदान करता है। नवरात्रि के दौरान पूरा नगर भक्ति के रंग में रंगा नजर आता है।

रावण दहन रहेगा मुख्य आकर्षण

नवरात्रि के समापन के साथ ही विजयादशमी को लेकर नगर में उत्साह बढ़ गया है। दशहरा उत्सव के दौरान विभिन्न पौराणिक पात्रों और देवी-देवताओं के स्वरूप में सजी भव्य झांकियां निकाली जाएंगी। पारंपरिक वेशभूषा, धार्मिक प्रस्तुतियों और उत्सवी माहौल के बीच निकलने वाली झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। दशहरा आयोजन में नगर के अंतिम छोर पर होने वाला रावण दहन विशेष आकर्षण रहेगा। इस अवसर पर आतिशबाजी और उत्सव के बीच रावण दहन के माध्यम से बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अहंकार पर सदाचार की विजय का संदेश दिया जाएगा। आयोजन को लेकर स्थानीय युवाओं और श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक



नव दुर्गा उत्सव समिति कोंटा के अध्यक्ष अभिषेक चतुर्वेदी ने बताया कि माणिकेश्वर शिवालय में नवरात्रि का आयोजन कोंटा की धार्मिक पहचान को नई ऊर्जा देता है। मां दुर्गा की आराधना से शुरू होकर विजयादशमी के उल्लास तक चलने वाला यह पर्व श्रद्धालुओं को अपनी परंपराओं से जोड़ता है। बुजुर्गों से मिली धार्मिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

धार्मिक विश्वास और सांस्कृतिक सद्भाव का केंद्र है कोंटा



आयोजन के संबंध में चंदू नायडू ने कहा कि करीब 70 वर्षों से कायम नवरात्रि की परंपरा इस बात का प्रमाण है कि जनआस्था समय के साथ और गहरी होती जाती है। चार राज्यों के श्रद्धालुओं की भागीदारी कोंटा को केवल सीमावर्ती नगर ही नहीं, बल्कि साझा धार्मिक विश्वास और सांस्कृतिक सद्भाव के केंद्र के रूप में भी पहचान दिलाती है। इन दिनों मां दुर्गा की आराधना, मंदिर में उमड़ते श्रद्धालु और विजयादशमी की तैयारियां कोंटा को भक्तिमय बना रही हैं।

जिला स्तरीय सब जूनियर नेटबॉल चयन स्पर्धा



हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

■ राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

नेटबॉल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जूनियर आयु वर्ग के लिए जिला स्तरीय नेटबॉल चयन प्रतियोगिता का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पूरे जिले से आए बड़ी संख्या में नन्हे खिलाड़ियों ने चयन के लिए मैदान पर अपना शानदार दमखम और खेल कौशल दिखाया।यह महत्वपूर्ण प्रतियोगिता डी.ए.वी. करमरी, बस्तर के खेल मैदान में आयोजित हुई। यहां चयनित होने वाले खिलाड़ी धमतरी में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता में बस्तर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न कराने में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के प्राचार्य त्रिभुवन साहू एवं नेटबॉल प्रशिक्षक नंद कुमार साहू की उपस्थिति रही। नेटबॉल जिला बस्तर संघ के सदस्यों के देखरेख में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों का मूल्यांकन कर जिला टीम के लिए चयन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।मुख्य अतिथि संस्था प्राचार्य ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि धमतरी में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बस्तर की टीम उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेगी।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिका परिषद बड़े बचेली द्वारा डीएवी स्कूल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने, पुनर्चक्रण तथा स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को घर, विद्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने और कचरे का उचित निपटान करने के लिए प्रेरित किया गया। नगर पालिका परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से परिवार एवं समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

जल संरक्षण व सुरक्षित पेयजल पहुंचाने का लिया संकल्प

गीदम। जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड गीदम की ग्राम पंचायत हिड़पाल में जनभागीदारी के साथ जल अर्पण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, महिलाओं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहभागिता कर जल संरक्षण और प्रत्येक परिवार तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जल जीवन मिशन के उद्देश्यों, नल-जल योजनाओं के नियमित संचालन एवं संधारण तथा पेयजल की स्वच्छता के संबंध में जागरूक किया गया। जल सभा में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से नल जल मित्र का चयन किया और उन्हें योजना के सुचारु संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। नल जल मित्र ने भी सेवा भाव और कर्मठता के साथ अपने गांव में पेयजल व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने जल स्रोतों के संरक्षण, पानी के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पेयजल को स्वच्छ रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

होममेड अगरबत्ती निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण शुरू

जगदलपुर। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं को स्वावलंबन तथा स्वरोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से भारतीय स्टेट बैंक द्वारा आड़ावाल में संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में बेसिक ऑफ होम मेड अगरबत्ती निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 4 अक्टूबर से शुरू हुए इस विशेष प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को अगरबत्ती निर्माण से जुड़े हर तकनीकी और व्यावहारिक पहलू में दक्ष बनाया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली अगरबत्ती तैयार करने, विभिन्न प्रकार के मनमोहक सुगंधित मिश्रण (परफ्यूम ब्लेंडिंग) बनाने, आकर्षक पैकेजिंग और तैयार उत्पाद के सफल विपणन (मार्केटिंग) की समग्र जानकारी दी जा रही है। संस्थान द्वारा प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रशिक्षण काल में भोजन, आवासीय व्यवस्था तथा आवश्यक शिक्षण सामग्री पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे दूर-दराज के प्रतिभागी बिना किसी आर्थिक चिंता के अपना कौशल निखार सकें। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर सभी अभ्यर्थियों को मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

आकर्षक पंडालों में विराजीं मां दुर्गा...



जगदलपुर। मा दुर्गा चौक।



जगदलपुर। पावर हाउस चौक।

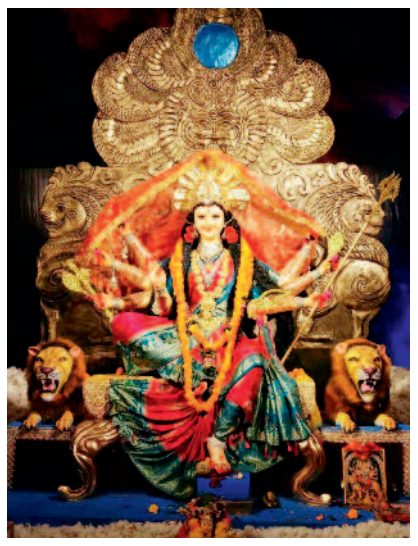

जगदलपुर। सांवरा पारा कुम्हारपारा।



जगदलपुर। बहादुरगुडा दुर्गोत्सव समिति गंगामुण्डा।



जगदलपुर। भैरमगुड़ी दुर्गोत्सव समिति गंगामुण्डा।

बाढ़ से फसलों और मकानों के नुकसान पर धोबीगुड़ा के किसानों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

प्रति एकड़ 65 हजार रुपए मुआवजा और केसीसी कृषि ऋण माफ करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले की बकावंड तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत धोबीगुड़ा के बाढ़ प्रभावित किसानों ने फसलों और मकानों को हुए नुकसान के एवज में राहत राशि बढ़ाने की मांग को लेकर बस्तर सांसद को ज्ञापन सौंपा है। किसानों ने अतिवृष्टि और बाढ़ से हुए व्यापक नुकसान का हवाला देते हुए प्रभावित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता और राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

किसानों के अनुसार, इस वर्ष आई बाढ़ के कारण गांव में कई मकान ढह गए हैं। वहीं, लगभग 100 प्रतिशत कृषि रकबा पानी में डूबने से फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। खेतों में करीब छह दिनों तक बाढ़ का पानी भरे रहने से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों के सामने आजीविका



और आगामी कृषि कार्यों को लेकर गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

मुआवजा राशि को बताया अपर्याप्त

किसानों ने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा किए गए सर्वे के बाद प्रति हेक्टेयर 8 हजार रुपये मुआवजा दिए जाने की जानकारी मिली है, जो बाढ़ से हुए नुकसान की तुलना में बेहद अपर्याप्त है। ज्ञापन में किसानों ने प्रति एकड़ 65 हजार रुपये मुआवजा देने, केसीसी कृषि ऋण माफ करने तथा आगामी रबी फसल के लिए निःशुल्क खाद, बीज और कीटनाशक दवाइयां उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। ग्रामीणों ने सांसद से आग्रह किया है कि उनकी मांगों को राज्य शासन तक पहुंचाकर न्याय दिलाया जाए।

खेल टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- ग्राम चपका में कबड्डी प्रतियोगिता शुरू, मंत्री केदार ने किया शुभारंभ

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम चपका में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक एवं कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, साहस और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। ग्रामीण अंचलों में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताएं स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और अपनी क्षमता साबित करने का अवसर प्रदान करती हैं। युवाओं को खेलों से जोड़ना और उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। कबड्डी जैसे पारंपरिक भारतीय खेल हमारी समृद्ध खेल संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से क्षेत्र का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान, प्रवीण सांखला, उमाकांत कश्यप सहित अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, कार्यकर्ता, ग्रामीणजन एवं बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

तीसरे मोर्चे के गठन की पहल तेज जुटे विभिन्न दल और संगठन



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- 25 अक्टूबर को रायपुर में होगी महाबैठक, बस्तर के स्थानीय अधिकारों पर बनेगा साझा एजेंडा

छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस से अलग वैकल्पिक राजनीतिक मंच के गठन की कवायद तेज हो गई है। रायपुर की बैठक के बाद बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में विभिन्न राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इसमें आगामी 25 अक्टूबर को रायपुर में प्रस्तावित बड़ी बैठक की तैयारी, साझा राजनीतिक एजेंडे और संगठनात्मक समन्वय पर चर्चा की गई।

बैठक में बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), आदिवासी महासभा, भारत मुक्ति मोर्चा, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे), भीम आर्मी तथा छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रतिनिधि शामिल हुए। नेताओं ने जल-जंगल-जमीन, पेसा एवं वनाधिकार कानून, स्थानीय रोजगार, और खनिज संपदा में स्थानीय भागीदारी जैसे मुद्दों पर संयुक्त संघर्ष की आवश्यकता पर जोर दिया। जनता कांग्रेस (जे) के प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चांद और जितेंद्र बंजारे ने कहा कि इस मंच का उद्देश्य केवल चुनावी तालमेल नहीं, बल्कि जनता के वास्तविक सवालों को राजनीतिक एजेंडे में प्राथमिकता दिलाना है। आगामी बैठक में साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एसबीआई पेंशनर मीट में 80 वर्ष से अधिक उम्र के 20 वरिष्ठ पेंशनरों का शाल-श्रीफल से हुआ सम्मान

जगदलपुर। बैंक के प्रावधानों के तहत हित लाभ दिलाते हुए पेंशनरों को सुरक्षित जीवन के प्रति सजग करना हमारा लक्ष्य है। पेंशनरों को अपने भावी जीवन के प्रति सजग होते हुए बैंक की योजनाओं का लाभ जरूर उठाना चाहिए। उक्त बातें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने एक निजी होटल में आयोजित पेंशनर मीट के दौरान कहीं।

कुमार ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि आज के दौर में इंसान अपनी सुविधा के लिए 25 लाख की गाड़ी खरीद कर भविष्य की चिंता में 40 हजार का इंश्योरेंस कराने में पीछे नहीं रहता, किंतु करोड़ों की कीमत के अपने जीवन के प्रति कोई चिंता नहीं करता। यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक स्थिति है। जैसी चिंता आप अपनी गाड़ी के लिए कर रहे हैं, ठीक वैसी ही चिंता आपको अपने जीवन के प्रति भी करते हुए बैंक की हेल्थ इंश्योरेंस योजना का लाभ उठाना चाहिए। इस मौके पर 80 साल से ऊपर के लगभग 20 वरिष्ठ पेंशनरों को बैंक अधिकारियों द्वारा शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य शाखा के प्रबंधक आनंद खत्री, कलेक्ट्रेट शाखा के प्रबंधक श्यामानंद झा सहित भारतीय राज्य पेंशनर महासंघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित थे। यह जानकारी भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ बस्तर संभाग के संभागीय अध्यक्ष रामनारायण ताटी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

फूल रथ की दूसरी परिक्रमा पूरी.....



जगदलपुर। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के अंतर्गत बुधवार को फूल रथ परिक्रमा के दूसरे दिन पारंपरिक धार्मिक विधान के साथ पूरी हुई। परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। लोगों ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ रथ खींचकर अपनी आस्था व्यक्त की।

एक शाम, किशोर के नाम, स्वराधना म्यूजिकल परिवार ने गीतों से दी श्रद्धांजलि



जगदलपुर। महान पार्श्वगायक किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर स्वराधना म्यूजिकल परिवार ने 'एक शाम, किशोर के नाम' संगीतमय संध्या का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत किशोर कुमार के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर कलाकारों और संगीत प्रेमियों ने हिंदी सिनेमा के महान गायक के योगदान को नमन किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद गिरिजा गुप्ता, पूर्व पार्षद कौशिक शुक्ला, गर्ल्स पॉलीटेक्निक के प्राचार्य संजय त्रिवेदी, भोजपुरी समाज के संरक्षक रंजीत पांडे सहित अन्य अतिथियों ने शिरकत की। गर्ल्स पॉलीटेक्निक के प्राचार्य संजय त्रिवेदी ने किशोर कुमार के जीवन, उनके संघर्ष और संगीत जगत में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किशोर कुमार की बहुमुखी प्रतिभा, अनूठी शैली और भावनाओं को स्वर देने की अद्भुत क्षमता ने उन्हें अमर बना दिया है। कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह भदौरिया ने मार्गदर्शन किया।

स्वराधना म्यूजिकल इवेंट्स परिवार के संयोजक नलिन शुक्ला ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाएंगे, ताकि संगीत की समृद्ध विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास जारी रहे। आयोजन में अर्पणा पाल, गौरनाथ नाग, इश्तियाक मीर, रतन व्यास और शमीम खान का विशेष सहयोग रहा। संगीतमय संध्या में संतोष कुमार पाल, नलिन शुक्ला, ऋषि भटनागर, मनिता राउत, ज्वॉयस लॉरेंस सिंह, रमन महंत, शफीक हिंदुस्तानी और रामेश्वर बघेल ने एक से बढ़कर एक सदाबहार गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कलाकारों ने 'एक चतुर नार', 'आपकी आंखों में कुछ', 'ये शाम मस्तानी', 'पग घुंघरू बांध', 'मेरा जीवन कुछ काम न आया' और 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसे लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

कोप्पगुड़ा कैम्प में नवनिर्मित मंदिर में माता रानी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा व बैरकों का किया लोकार्पण

नक्सलियों की राजधानी में सीआरपीएफ का उत्सव, जवानों संग थिरके अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जनअदालत, खूनखराबा और लाल आतंक से मिली मुक्ति के बाद अब जवानों ने विकास का मोर्चा सम्भाल लिया है। बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र में कोप्पगुड़ा कैम्प को स्थापित हुए एक साल हो चुके हैं, इस अवसर पर कैम्प में नवनिर्मित मंदिर में माता रानी के प्रतिमा का प्राणप्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया था साथ ही जवानों के लिए निर्मित बैरकों का भी लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर कैम्प परिसर में सीआरपीएफ के डीआईजी बीएस नेगी और एसपी उमेश गुप्ता की मौजूदगी में वृक्षारोपण भी किया गया,साथ ही शाम को प्रांगण में ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जवानों के साथ अफसर भी लोकगीतों में थिरकते हुए नजर आए।

गौरतलब है कि कोप्पगुड़ा पीडिया इलाके का अंतिम कैम्प है जो इलाके को नक्सल मुक्त करने के लिए स्थापित किया गया था और सरकार की यह मंशा कामयाब भी हो गयी क्योंकि यह पूरा इलाका अब नक्सल मुक्त हो चुका है। अब यहां नक्सल आतंक के बजाय सड़क, पानी,और बिजली पहुंचने लगी है। मूलभूत सुविधाएं अब इलाके तक आसानी से पहुंच रही हैं इसके अलावा सालों से बन्द स्कूलें खुल चुकी हैं, बच्चो को स्कूल में ही



माध्याह्न भोजन मिलने लगा है जिसके कारण अब ग्रामीणों का जवानों पर विश्वास भी बढ़ने लगा है। यही वजह है कि बीमार होने पर ग्रामीण अब इलाज के लिए कैम्प तक पहुंचने लगे हैं।

वर्ष 1980 में नक्सलियों ने बस्तर में कदम रखा था तब उन्होंने गंगालूर के पीडिया इलाके को ही अपना सबसे सुरक्षित ठिकाना बनाया था और इसी इलाके में वे नए लड़ाकों की भर्ती किया करते थे और उन्हें ट्रेनिंग दिया करते थे और उसके बाद उन्हें अन्य इलाकों में संगठन विस्तार के लिए भेजा करते थे। तब से लेकर एक साल पहले तक गंगालूर और पीडिया इलाके को नक्सलियों की राजधानी कहा जाता था, इस इलाके में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन लॉन्च करने के लिए भी जवानों को माह भर पूर्व से ही रणनीति बनानी पड़ती थी।

चुनाव के दौरान हेलीकॉप्टर को बनाया था निशाना

इसी इलाके में पहली बार 2009 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान दल को लेकर उड़ान भर रहे सेना के एमआई 17 हेलीकॉप्टर को नक्सलियों ने निशाना बनाया था। इस हमले में फ्लाइट इंजीनियर मुस्तफा अली की शहादत हो गयी थी। हालांकि बाद मे हेलिकॉप्टर पर अपने 300 साथियों के साथ हमला करने वाले नक्सल दंपती ने पुलिस के सामने हथियार डाल दिया था और बताया था कि उन्हें शीर्ष नक्सली कमांडरों ने आदेश दिया था कि हेलिकॉप्टर के फ्यूल टैंक पर हमला कर उसे जमीन पर गिराना है। पर वे उसमें कामयाब नही हो पाए थे। कार्यक्रम के दौरान कंपनी कमांडर त्रिलोचन प्रसाद, इंस्पेक्टर मनोज कुमार, एएसआई अवधेश साहनी एवं बड़ी संख्या में जवान मौजूद थे।

